

दिनांक पुनः	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
19-11-15	<p>उभयपक्ष उपस्थित पीठासीन अधिकारी राजकार्य में <del>नहीं</del> है / अवकाश पर है / पद रिक्त है। अतः पत्रावली दिनांक... 8-12-15.... को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">रीडर सहायक कलक्टर माण्डल</p>	
8-2-16	<p>पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उषा / लक्ष्मीलक्ष्मी से करवाया प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ। पुनः लिखा जाकर पत्रावली दि. 8-3-16 को पेश है।</p>	
8-3-16	<p>वकील वादी उषा / लक्ष्मीलक्ष्मी से करवाया प्रस्ताव अज्ञात / पुनः लिखा जाकर पत्रावली दि. 12-7-16 को पेश है।</p>	
8-5-16	<p>पत्रावली राजस्व लेख <del>सदाम</del> <del>नेम</del> <del>पत्रावली</del> पर पेश हुई। लक्ष्मीलक्ष्मी <del>से</del> के विभाजन स्त्रीक प्रदा हुई। जिसमें शामिल पत्रावली भी जारी। प्रदा विभाजन स्त्रीक के इंडर का वादी का वाद पर निर्णित किया जावे। मैने पत्रावली का क्लोजर किया गया प्रदा विभाजन स्त्रीक के पर मगन किया गया। न्याय दित के प्रदा विभाजन स्त्रीक इंडर का वादी का वाद पर स्वीकार किया जाकर डिक्री कइत वादी किन्तु प्रतिवादीगण के करु हाशय भी जारी भी जाती है कि उक्त पीथारु लक्ष्मीलक्ष्मी मोडल जिला नीलवाडा में। किन्तु निष्कांत न्यायविभाजन विभाजन इंडर का वादी एवं प्रतिवादीगण के गण राजस्व रेकॉर्ड के दर्ज करें जाने होके ही किया जाता है उसी इंडर का विभाजन इंडर का वादी एवं प्रतिवादीगण के गण राजस्व रेकॉर्ड के दर्ज भी जावे।</p>	
	<p>1. श्री बदरी 510 श्रीका कुम्हार, उक्त वर्गिका निवासी पीथारु लक्ष्मीलक्ष्मी मोडल जिला नीलवाडा वादी के गण निष्कांत न्याय विभाजन इंडर का राजस्व रेकॉर्ड के दर्ज करें जावे। (देवी सिंह) पीठासीन अधिकारी उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन सहायक कलक्टर माण्डल</p>	

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर अहकाम हुक्म या में सा.
	<p> <del>कायदा न.</del>  <del>हुक्म</del>  <del>लगाया</del>            किन्तु पटवारी द्वारा जी रिपोर्ट इंडकॉर कार्रवाई में            अपना रिस्क कराने विचारार्थीन वाड पर जो कसम            ही कार्रवाई इजिस्ट्रिड विक्रम पर के लया कु-वेर, मेरवी            वा 10 लाहलाल, सीता वा 10 जितेड गिवासी जाडवीरकेड            जो बेचान कर दिया गया है वाड पर जो पंजराड            नहीं है ऐसी स्थिति में बिना पंजराड के कसम            में विक्रम नहीं किया जा सकता है इमोर्टि विवादी            कार्रवाई में काडी का हित नहीं रही है।            नमः न्याय हित में काडी का वाड पर पंजराड            के कसम में स्वीकृत किया जाता है रक्की फरीक            अपना-अपना वदन करे। मजावली के कसम शमाड            जी जाडर दस्तद दारिगम है।            (देवी सिंह)            पीठासीन अधिकारी            उपखण्ड अधिकारी एवं            जेज सहायक कलक्टर मण्डल         </p>	